भारतीय दिनचर्या और ज्ञान परंपरा में रची-बसी है पर्यावरण सुरक्षा

▶ माधव विज्ञान महाविद्यालय में 'प्राचीन काल में पर्यावरणीय संरक्षण' पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

उज्जैन। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन में 'प्राचीन काल में पर्यावरणीय संरक्षण की पद्धतियां' विषय पर एक भव्य अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। देश-विदेश से आए विषय विशेषज्ञों ने एक सुर में यह माना कि पर्यावरण संरक्षण हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति, ज्ञान परंपरा और दैनिक जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा रहा है, जिसे आज आधुनिक विज्ञान भी अपना रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसजीएसआईटीएस इंदौर के निदेशक डॉ. नीतेश पुरोहित ने अपने संबोधन में कहा कि हमारी ज्ञान परंपरा और जीवन शैली पूरी तरह से पर्यावरण सम्मत और विज्ञान आधारित है। उन्होंने कहा हमारे दैनिक व्यवहार और दिनचर्या में पर्यावरणीय सजगता इस तरह से आत्मसात है कि उसे अलग से देखने या सिखाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती।

आधुनिक शोध भी देख रहे हैं भारत की ओर: अमेरिका स्थित दक्षिणी कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी (लॉस एंजिल्स) से आए विशेष वक्ता एवं रिसर्च एसोसिएट डॉ. चेतन रावल ने वैश्विक दृष्टिकोण रखते हुए कहा कि बदलते परिदृश्य में जीव विज्ञान के आधुनिक शोध भी भारत के प्राचीन ज्ञान-विज्ञान की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के समाधान भी भारतीय ज्ञान परंपरा और प्राकृतिक संरक्षण तकनीकों में तलाशे जा रहे हैं। वहीं, सेंट्रल यूनिवर्सिटी गांधीनगर (गुजरात) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. धीरज राठौर ने विशेष वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। उन्होंने 'सर्कुलर इकोनॉमी' (चक्रीय अर्थव्यवस्था) की दृष्टि से भारतीय संसाधनों के संरक्षण के प्राचीन तरीकों को विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

15 शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोध पत्र

इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 15 शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र (पेपर प्रेजेंटेशन) प्रस्तुत कर विषय के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। अतिथियों का स्वागत प्राणीशास्त्र (जूलॉजी) विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल पांडे, डॉ. शुचिता चांदोरकर और डॉ. अजय सक्सेना द्वारा किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संयोजन डॉ. शुचिता चांदोरकर ने किया, जबकि अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार प्रो. अनिल पांडे ने माना। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दिनचर्या में शामिल थे संरक्षण के तरीके: कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं उज्जैन संभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एच.एल. अनिजवाल ने इस सेमिनार को विद्यार्थियों के लिए बेहद सार्थक बताते हुए कहा कि यह आयोजन युवाओं को भारतीय संस्कृति की वैज्ञानिक ज्ञान परंपरा से जोड़ने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. हरीश व्यास ने बताया कि हमारे पूर्वजों ने पर्यावरण बचाने के जो तरीके विकसित किए थे, वे सीधे तौर पर हमारी दिनचर्या में शामिल थे। इससे पूर्व, कार्यक्रम की संयोजक डॉ. शुचिता चांदोरकर ने विषय प्रवर्तन किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की शुद्धता और संरक्षण एक सतत आवश्यकता है, और हम प्राचीन काल से ही इसके लिए विकसित और प्रामाणिक तरीकों का प्रयोग करते आ रहे हैं।

दिल्ली में कांग्रेस द्वारा किए गए शर्मनाक कृत्य के विरोध में भाजपा ने किया कांग्रेस कार्यालय का घेराव

▶ विरोध स्वरूप किया राहुल गांधी का पुतला दहन

उज्जैन। दिल्ली में आयोजित एआई समिट के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अर्धनग्न प्रदर्शन के विरोध में भारतीय जनता पार्टी व भाजयुमो नगर द्वारा कांग्रेस कार्यालय का घेराव कर राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया।

मीडिया प्रभारी दिनेश जाटवा के इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक किसी न किसी तरीके से देश को अपमानित करने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस के द्वारा दिल्ली में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करना, न केवल कांग्रेस बल्कि समूचे देश के लिए शर्म की बात है। इस प्रकार के प्रदर्शन से पूरे राष्ट्र का सिर शर्म से झुका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को कांग्रेस नहीं पचा पा रही है। यह शर्मनाक प्रदर्शन राहुल गांधी की राजनीतिक अपरिपक्वता और नेतृत्व की कमी को दर्शाता है। जिस समय देश सम्मान पा रहा था, तब कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक केवल देश को अपमानित करने में लगे हुए थे। कांग्रेस को इस कृत्य के लिए पूरे राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए।

इस अवसर पर निगम सभापति कलावती यादव ने कहा कि दिल्ली में आयोजित एआई समिट का आयोजन पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है, जिसमें 100 से अधिक देशों, वैश्विक मल्टीनेशनल कंपनियों के सीईओ और 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी ने भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा को दर्शाया है। इस ऐतिहासिक आयोजन में भारत की नेतृत्व क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की झलक मिली है। जहां एक ओर भारत को वैश्विक मंच पर सम्मान मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश जब दुनिया भर से सम्मान प्राप्त करता है। तब कांग्रेस और राहुल गांधी के समर्थक हर बार देश का अपमान करने के लिए कोई न कोई नया कृत्य करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को इस प्रदर्शन और उसके पीछे की घृणित राजनीति के लिए देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

एक नजर में

सप्तशति शक्ति संगम का समापन

इंदौर. अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा संघ शताब्दी वर्ष के अंतर्गत विद्याभरती के मालवा प्रांत का सप्तशक्ति संगम का समापन समारोह प्रीतमलाल दुआ सभागृह में आयोजित किया गया. आज के इस समारोह की मुख्यवक्ता विद्याभारती की बालिका शिक्षा की राष्ट्रीय संयोजिका रेखा चुड़ासमा ने सभी उपस्थित मातृशक्ति को संकल्प दिलाकर एक बार पुनः आह्वान किया किहम जो अपनी सनातन संस्कृति को भूलकर विदेशी क्रिया-कलापों को अपनाने लगे है, तब आज पुनः नितांत आवश्यक है, मातृशक्ति का उनमें अन्तर्निहित प्राचीन समय से अर्थात् आदि-अनादि काल से विद्यमान शक्ति से परिचय कराने की, उन्हें सुप्तावस्था से जागृत करने की. समारोह के समापन अवसर पर श्रीमती इंदिरा पाटीदार (शक्ति फाउण्डेशन) ने अध्यक्षता की. विशेष अतिथि डॉ. श्रीमती संध्या चौकसे एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एल.एन.सी.टी. का सानिध्य प्राप्त हुआ. कार्यक्रम की प्रस्तावना क्षेत्रीय सह संयोजिका हिना नीमा दीदी ने प्रस्तुत की, परिचय कार्यक्रम सहसंयोजिका संगीता चौहान दीदी ने कराया. स्वागत अनिता रघुवंशी ने किया. संचालन कार्यक्रम सहसंयोजिका बंटू भूत दीदी ने किया.

जनजातीय रंग, सुर से सराबोर हुआ गांधी हॉल परिसर

इंदौर. गांधी हॉल परिसर में आज जात्रा-2026 का शुभारम्भ हुआ. तीन दिवसीय इस उत्सव के पहले दिन जनजातीय संस्कृति, लोकनृत्य और पारंपरिक व्यंजनों की सुगंध से पूरा परिसर ऊर्जा व उल्लास से भर गया. कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर शनि साधक दादू महाराज, सांसद शंकर लालवानी, नगर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भाजपा नगर उपाध्यक्ष भरत पारख एवं स्टेट प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे. जनजातीय सामाजिक सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस आयोजन की थीम इस वर्ष पारंपरिक रंग, सुर और स्वाद रखी गई है. पहले दिन प्रदेश के विभिन्न आदिवासी अंचलों से आए कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें भगोरिया और मांदल गीतों की गूंज ने वातावरण को जीवंत कर दिया. भगोरिया पर्व पर आधारित विशेष फोटो प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रही। धार, झाबुआ और अलीराजपुर अंचल की प्रसिद्ध पिथोरा कला को भी इस बार विशेष स्थान दिया गया है. समिति के अध्यक्ष देवकीनंदन तिवारी ने उद्घाटन समारोह के पश्चात कहा आज जात्रा 2026 का शुभारम्भ जिस उत्साह और जनसहभागिता के साथ हुआ, वह हमारे लिए अत्यंत संतोष और गर्व का विषय है. हमारा उद्देश्य केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति तक सीमित नहीं है, बल्कि आदिवासी जीवन के मूल्यों प्रकृति के प्रति सम्मान, सामूहिकता और परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है. इस अवसर पर राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम को दीपक जैन के द्वारा पिछड़ा वर्ग एवं आदिवासी समाज के उत्थान हेतु निरंतर कार्यरत रहने के लिए सम्मानित किया गया. कार्यक्रम संयोजक गिरीश चव्हाण और सह-संयोजक आशीष गुप्ता ने कहा उद्घाटन के साथ ही हस्तशिल्प प्रदर्शनी और पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल पर शहरवासियों की अच्छी सहभागिता देखने को मिली.

अविभाजित भारत के व्यंजनों का मिलेगा स्वाद

इंदौर. आज जब सीमाएं नक्शों में बंटी हुई हैं, तब भी स्वाद और यादें आज भी लोगों को जोड़ने का काम करती हैं. भोजन केवल पेट भरने का माध्यम नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और साझा विरासत का प्रतीक रहा है. इसी भावना को जीवित करने के लिए फेयरफील्ड बाय मैरियट इंदौर के रेस्टोरेंट कावा में सिरका 1940द अंडिवाइडेड इंडिया थीम पर एक विशेष हेरिटेज डिनर का आयोजन किया जा रहा है, जो भारत के प्री-पार्टिशन दौर की साझा रसोई और पारंपरिक स्वादों को एक ही मंच पर प्रस्तुत करता है. यह आयोजन 20 फरवरी से 1 मार्च तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात 11 बजे तक होगा. शेफ आशुतोष ने बताया कि इस विशेष आयोजन के तहत कावा में क्यूरेटेड हेरिटेज बुफे प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें अविभाजित भारत के विभिन्न क्षेत्रों से प्रेरित व्यंजन शामिल किए गए हैं. यह बुफे उस दौर की खान-पान परंपराओं को दर्शाता है, जब भोजन सीमाओं में नहीं बंधा था और रेसिपीज़ एक-दूसरे से जुड़कर आगे बढ़ती थीं. आयोजन का उद्देश्य मेहमानों को केवल स्वाद नहीं, बल्कि उस समय की सोच और सामूहिक भोजन संस्कृति से भी परिचित कराना है. हेरिटेज बुफे के मेन्यू में उत्तर-पश्चिम सीमांत क्षेत्र, पंजाब, सिंध और अविभाजित बंगाल की पारंपरिक रेसिपीज़ को शामिल किया गया है. होटल मैनेजर सुदीप सिन्हा ने कहा, 'सिरका 1940 - अंडिवाइडेड इंडिया' हमारे लिए केवल एक थीम डिनर नहीं है, बल्कि भारत के उस दौर की साझा संस्कृति और खान-पान की विरासत को सम्मान देने का प्रयास है.

अंतिम व्यक्ति तक न्याय ही सामाजिक न्याय का उद्देश्य : जिला न्यायाधीश

इंदौर. विश्व सामाजिक न्याय दिवस के अवसर पर तहसील विधिक सेवा समिति, देपालपुर के तत्वावधान में एक विशेष विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन समिति के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में किया गया. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक न्याय, समानता, सामाजिक सुरक्षा एवं विधिक अधिकारों की सुलभ पहुँच सुनिश्चित करना रहा.

जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला ख़ान ने कहा कि सामाजिक न्याय केवल एक दिवस मनाने का विषय नहीं है, बल्कि यह सतत् प्रयासों, संवेदनशील सोच और विधिक जागरूकता के माध्यम से सशक्त समाज के निर्माण की आधारशिला है. उन्होंने कहा कि लोक अदालत, वैकल्पिक विवाद निस्तारण प्रणाली तथा विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाएँ आमजन को सरल, सुलभ एवं त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम हैं. कार्यक्रम को वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र वर्मा एवं मनोज देसाई ने भी संबोधित कर सामाजिक न्याय की अवधारणा, लोक अदालत की भूमिका, वैकल्पिक विवाद निस्तारण, तथा कमजोर वर्गों के संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला गया. कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र वर्मा, सचिव दिनेश डोंड, जी.के.नायक, पंकज तिवारी, प्रकाश धाकड़, मनोज देसाई, विजयपुरी गोस्वामी, उमेश पटेल, अतीक़ ख़ान, चिंतामन परिहार, अर्जुन नागर, चेतन राठौर, प्रवीण रावल, श्रीराम भदौरिया एवं नायब नाजिर दिलीप यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं न्यायालयीन कर्मचारी उपस्थित रहे. संचालन सचिव दिनेश डोंड द्वारा किया गया. अधिवक्ता प्रकाश धाकड़ ने आभार माना.

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हुआ

▶ राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के साथ बैठक संपन्न

उज्जैन। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के अंतर्गत शनिवार को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में प्रशासनिक संकुल भवन के सभा कक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संदीप सिंह ने जानकारी दी कि मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के पश्चात सूची में कुल मतदाताओं की संख्या 14,76,840 है। इसमें पुरुष मतदाता 7,47,997, महिला मतदाता 7,28,805 और थर्ड जेंडर मतदाता 38 है। इसमें विधानसभा क्षेत्र क्रं. 212 नागदा-खाचरौद में पुरुष मतदाता 1,09,647, महिला मतदाता 1,06,767 और थर्ड जेंडर मतदाता 08, विधानसभा क्षेत्र क्रं.213 महिदपुर में पुरुष मतदाता 1,07,603, महिला मतदाता 1,03,053 और थर्ड जेंडर मतदाता 03, विधानसभा क्षेत्र क्रं.214 तराना में पुरुष मतदाता 92,689, महिला मतदाता 88,153 और थर्ड जेंडर मतदाता 04, विधानसभा क्षेत्र क्रं. 215 घट्टिया में पुरुष मतदाता 1,11,566 महिला मतदाता 1,07,412और थर्ड जेंडर मतदाता 04, विधानसभा क्षेत्र क्रं. 216 उज्जैन उत्तर में पुरुष मतदाता 1,03,574 ,महिला मतदाता 1,03,267 और थर्ड जेंडर मतदाता 09, विधानसभा क्षेत्र क्रं. 217 उज्जैन दक्षिण में पुरुष मतदाता 1,20,174 ,महिला मतदाता 1,20,449 और थर्ड जेंडर मतदाता 05, विधानसभा क्षेत्र क्रं. 218 बड़नगर में पुरुष मतदाता 1,02,744 ,महिला मतदाता 99,704 और थर्ड जेंडर मतदाता 05 है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया निरंतर जारी रहेगी। जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची में छूट गए हैं अथवा किसी प्रकार का संशोधन है, वे ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से फार्म नं 6,7,8 भरकर आवेदन कर सकेंगे। साथ ही जिन युवाओं ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, वे भी अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।अंतिम मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश की आधिकारिक वेबसाइट पर भी देखी जा सकती है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन पर अपनी और से सभी राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बधाई दी। अंतिम मतदाता सूची की प्रतियां वितरण के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को दी गई।

5 दिवसीय नि :शुल्क नाड़ी परीक्षण एवं परामर्श शिविर प्रारंभ

उज्जैन। हाल ही में संपन्न हुए 'महाकाल वन मेला 2026' में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित, जबलपुर के प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य संतोष आनंद जायसवाल अब उज्जैन में अपनी सेवाएं देने जा रहे हैं। जनता के आग्रह को देखते हुए वैद्यजी द्वारा उज्जैन में प्रतिमाह 20 से 24 तारीख तक 5 दिवसीय नि:शुल्क नाड़ी परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस माह यह शिविर जायसवाल धर्मशाला, क्षीरसागर गेट, नई सड़क, प्रकाश टॉकीज की गली के बाजू में आयोजित किया जा रहा है। शिविर का समय सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगा। मां दुर्गा वन औषधि संजीवनी अनुसंधान के डायरेक्टर एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ वैद्य संतोष आनंद जायसवाल की सबसे बड़ी विशेषता उनका नाड़ी ज्ञान है। उनका दावा है कि मरीज को अपनी बीमारी बताने की आवश्यकता नहीं है; वे केवल नाड़ी देखकर शरीर के रोगों का सटीक पता लगा लेते हैं। इस शिविर में चमत्कारी संजीवनी जड़ी-बूटियों के माध्यम से शास्त्रोक्त विधि द्वारा मरीजों का सफल उपचार किया जाएगा।

इन जटिल रोगों का होगा आयुर्वेदिक इलाज

हस्तलिखित पर्चे में दी गई जानकारी के अनुसार, वैद्य जी के पास कई गंभीर और पुरानी बीमारियों का इलाज उपलब्ध है। इनमें मुख्य रूप से स्नायु व तंत्रिका रोग: मिर्गी, माइग्रेन, साइटिका, लकवा (नया या पुराना), मानसिक रोग, उदर एवं श्वास रोग: दमा (अस्थमा), अल्सर, 84 प्रकार के वात रोग। गुदा रोग: भकंदर, 6 प्रकार की बवासीर (मात्र 5 मिनट में मस्सा निकालकर हाथ में देने का दावा)। अन्य गंभीर बीमारियां: 4 प्रकार की पथरी, थायराइड, शुगर, ब्लड प्रेशर (हाई/लो), किडनी की समस्या, सर्वाइकल, प्रोस्टेट, ब्लॉकेज, सूजन। स्त्री-पुरुष रोग व शारीरिक समस्याएं: संतानहीनता, बच्चेदानी की गठान, आंचल की गठान, मोटापा कम करना एवं दुबले लोगों का वजन बढ़ाना, घुटनों, कमर और एड़ी का दर्द। इसके अतिरिक्त शुद्ध शिलाजीत और तनाव मुक्ति की दवाइयां भी जड़ी-बूटियों द्वारा निर्मित कर प्रदान की जाती हैं।

नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरुप संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से विभिन्न स्थानों पर निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाए जा रहे है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल ने बताया कि ये शिविर आगामी 21 मार्च तक निरंतर लगाए जाएंगे। इसी कडी में शनिवार को सिविल अस्पताल माधवनगर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से कुल 90 नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गई है। उपरोक्त स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सक/पैरामेडिकल स्टॉफ द्वारा निरन्तर सेवाएं दी जा रही है। शिविर में आने वाले हितग्राहियों की हृदय जांच, आंखों की जांच, स्तन कैंसर जांच कर उपचार प्रदान किया गया। शिविर का शुभारंभ, अभियान के मुख्य संयोजक एवं जिला महामंत्री श्री सत्यनारायण खोईवाल, रोगी कल्याण समिति के प्रतिनिधि अभय विश्वकर्मा, सिविल अस्पताल माधवनगर उज्जैन, अभय यादव, सिविल अस्पताल माधव नगर प्रभारी डॉ. विक्रम रघुवंशी की उपस्थिति में किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला उज्जैन डॉ. पटेल द्वारा बताया गया कि 22 फरवरी 2026 को उज्जैन शहर के मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक, फिश मार्केट एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहपुरा पर शिविर का आयोजन प्रातः 10 से दोपहर 4 बजे तक किया जाएगा एवं शिविर में आने वाले नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए है।

बामसेफ़,भारत मुक्ति मोर्चा उज्जैन से नागपुर के लिए रवाना

उज्जैन। बामसेफ़ का 42वा दो दिवसीय एवं भारत मुक्ति मोर्चा के तीन दिवसीय 15वें राष्ट्रीय अधिवेशन की अनुमति निरस्त किए जाने के विरोध में संगठन द्वारा लगातार तीन चरणों में ज्ञापन, धरना और प्रदर्शन किए गए। लेकिन सरकार द्वारा किसी भी मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया। इसके विरोध में आंदोलन के चौथे चरण के अंतर्गत दिनांक 22 फरवरी 2026 को नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पर एक विशाल महामोर्चा महारैली आयोजित किया जा रहा है। इस महामोर्चा में शामिल होने के लिए उज्जैन जिले से बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भारत मुक्ति महिला मोर्चा व बहुजन मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष आयुष्यमति गंगा मालवीय के नेतृत्व में नागपुर के लिए उज्जैन से रवाना हुए। इस आंदोलन में देशभर के मूलनिवासी बहुजन समाज से जुड़े सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, किसान एवं असंगठित कामगार संगठनों की व्यापक भागीदारी रहेगी। भारत मुक्ति महिला मोर्चा, बहुजन मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष आयुष्यमति गंगा मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वामन मेश्राम एवं राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास पटेल के संयुक्त नेतृत्व में किया जाएगा। यह महारैली संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है, ताकि नागरिकों के संवैधानिक मूलभूत अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके और मूलनिवासी बहुजन समाज की भावी पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रहे। महामोर्चा के दौरान निम्नलिखित प्रमुख मांगें उठाई जाएंगी जिसमें ओडिशा राज्य के कटक में निरस्त किए गए राष्ट्रीय अधिवेशन को पुनः अनुमति दी जाए, ओबीसी सहित सभी जातियों की जाति-आधारित जनगणना कराई जाए, देश की सभी चुनाव प्रक्रियाएं ईवीएम के स्थान पर बैलेट पेपर से कराई जाएं, संविधान द्वारा प्रदत्त मूलभूत अधिकारों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए, अधिवेशन की तैयारियों में संगठन, प्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की जाए।

एक नजर ▶ पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय माधव महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन का समापन

अर्जुन की तरह लक्ष्य पर रखें नजर और खुद को तराशें : व्यास

उज्जैन। प्रधान मंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय माधव महाविद्यालय उज्जैन में आयोजित वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'अभ्युदय आनंदम' का हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। समापन समारोह में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के पूर्व छात्र और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. नारायण व्यास तथा सारस्वत अतिथि के रूप में आईपीएस काजल सिंह उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता के मूलमंत्र दिए और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. नारायण व्यास ने अपने छात्र जीवन की यादें ताजा करते हुए कहा ऐतिहासिक माधव महाविद्यालय में अध्ययन करना गौरव की बात है। कभी हम भी इसी कॉलेज के विद्यार्थी थे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अर्जुन की तरह अपने लक्ष्य पर दृष्टि रखें और खुद को निरंतर तराशें, क्योंकि सोना तपकर ही कुंदन बनता है। कार्यक्रम की सारस्वत अतिथि आईपीएस काजल सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने से प्रतिभा में निखार आता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भविष्य में जिस भी क्षेत्र का चुनाव करें, वहां अपनी शत-प्रतिशत ऊर्जा लगाएं। कड़ी मेहनत ही सफलता की सबसे बड़ी कुजी है। अध्यक्षता कर रहीं महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. कल्पना वीरेंद्र सिंह ने कहा कि हमारे छात्र सदैव कॉलेज का नाम रोशन करते रहे हैं।

दीप योग और पुस्तक विमोचन ने मोहा मन: समारोह के दौरान क्रीड़ा अधिकारी नवीन कोरट के मार्गदर्शन में छात्रा करिश्मा द्वारा दीप योग की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इसके साथ ही, वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. उमेश अग्रवाल की पुस्तक का विमोचन भी डॉ. मंसूर खान और डॉ. केशव मणि शर्मा के माध्यम से अतिथियों द्वारा संपन्न हुआ। संचालन डॉ. जफर महमूद ने किया तथा आभार क्रीड़ा अधिकारी नवीन कोरट ने माना। अतिथियों का स्वागत प्राचार्य डॉ. कल्पना सिंह के साथ विद्यार्थी ऋषभ कोरट, रोहित लश्करी, कु. पायल राठी, कु. नंदिनी दुबे और कु. दर्शना पंवार ने किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थी

इस अवसर पर अतिथियों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। खेलकूद प्रतियोगिताओं के अंतर्गत 100 मीटर दौड़ (पुरुष वर्ग) में आनन्द खण्डवी ने प्रथम, सुमित यादव ने द्वितीय व निलेश चौहान ने तृतीय स्थान हासिल किया, वहीं 100 मीटर दौड़ (महिला वर्ग) में लता नायमा प्रथम, पायल माली द्वितीय व जयश्री मेहता तृतीय रहीं। चम्मच नींबू रेस (पुरुष वर्ग) में गौरव शर्मा प्रथम, मनोज चौहान द्वितीय व मोहर सिंह तृतीय रहे, जबकि चम्मच नींबू रेस (महिला वर्ग) में अन्तिम बाला ने प्रथम, जयश्री मेहता ने द्वितीय और लता नायमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।